Selection of content पाठ्यवस्तु का चयन

पाठ्यवस्तु (content) पाठ्यक्रम का एक भाग है। इसका उद्देश्य है छात्रों के अनुगमों में परिवर्तन लाना। विज्ञान का क्षेत्र व्यापक है। अतः पाठ्यक्रम द्वारा इसका सम्पूर्ण ज्ञान देना एक कठिन कार्य है। सामान्यतः कक्षा कक्ष में जो विषय-वस्तु प्रयोग की जाती है पाठ्यक्रम में उसी को ध्यान में रखा जाता है।

विज्ञान पाठ्यवस्तु चयन के समय निम्न बातों को ध्यान में रखना चाहिए-

1. पाठ्य-वस्तु की प्रकृति तथा उद्देश्य

Nature of the course and objectives

छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए पाठ्यवस्तु का चयन करना चाहिए। छात्रों को भविष्य में क्या करनी है उसी के अनुरूप पाठ्यवस्तु की प्रकृति होनी चाहिए। पाठ्य-वस्तु की प्रकृति द्वारा ही उद्देश्य का निर्धारण होता है। अतः जीवविज्ञान पाठ्यवस्तु का उद्देश्य होना चाहिए विज्ञान विषय का समकालीन ज्ञान देना। विज्ञान विषय की संरचना का बोध कराना। छात्र इस विषय की प्रविधि तथा कौशल प्राप्त कर सके। छात्र अधिक से अधिक प्रयोगशाला का उपयोग कर सके।

2. कोर्स की अवधि - Duration of course.

विज्ञान पाठ्य-सामग्री का चयन करते समय अवधि को ध्यान में रखना आवश्यक होता है। विद्यालय में सभी विषयों की

Ajanta

Milky

कक्षा सुचारू रूप से सम्पन्न हो इसके लिए समय-सारणी में सभी विषयों के लिए समय निर्धारित रहती है। उस निर्धारित समय में ही विषयवस्तु को कक्षा-कक्ष में पूरा करना होता है इसलिए पाठ्य सामग्री कोर्स को अवधि के अनुसार निश्चित होनी चाहिए।

साधनों की उपलब्धता

संसाधनों के अंतर्गत मानवीय तथा अमानवीय दोनों संसाधन आते हैं, जैसे- कुशल शिक्षक, उपयुक्त पाठ्य-पुस्तक, परीक्षण सामग्री, प्रयोगशाला आदि। यदि इसकी पर्याप्त उपलब्धता नहीं रहती है तो पाठ्यक्रम की सफलता सम्भव नहीं है।

व्यक्ति की रुचि Individual Interest

पाठ्य-वस्तु विस्तृत एवं व्यापक होने के साथ-साथ व्यवसाय से संबंधित होनी चाहिए जिससे बालक अपने जीवन में अपने रुचि के अनुसार व्यवसाय का चयन कर सके। बालक अपने जीवन में किसी भी व्यवसाय जैसे - इंजीनियरिंग, चिकित्सा, कृषि, आदि में प्रवेश कर सके। रुचि के अनुसार पाठ्य-वस्तु होने से इसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव छात्रों पर पड़ता है। छात्र उसे सीखने के लिए तत्पर रहता है।

समाज की रुचि (Society Interest)

समाज शिक्षा के माध्यम से कुछ लक्ष्यों की प्राप्ति करना चाहता है। इसके अंतर्गत शिक्षा का व्यावसायिक महत्व, समाज की प्रगति, समाज का संगठन, अन्तर्राष्ट्रीय भावना की चेतना का विकास आदि है।

Scanned with CamScanner